ज्ञानदीप

भारत सरकार
रेल मंत्रालय
भारतीय रेल सिविल इंजीनियरिंग संस्थान, पुणे – 411 001
(आई. एस. ओ. : 9001-2008 प्रमाणित भारतीय रेल का प्रथम केंद्रीकृत प्रशिक्षण संस्थान)
Government of India
Ministry of Railways
INDIAN RAILWAYS INSTITUTE OF CIVIL ENGINEERING PUNE 411001
(Indian Railways First ISO-9001-2000 Certified Centralized Training Institute)

ज्ञान ज्योति से मार्गदर्शन
To Beam As A Beacon of Knowledge

संस्थान – डी ओ टी (020) 26127951, 26123680 रेलवे – 55222, 55862
छात्रावास – डी ओ टी (020) 26130579, 26126816, 26121669 रेलवे – 53101, 53102, 253103
फैक्स: 020-26128677 रेलवे: 55860
ई–मेल: mail@iricen.gov.in
वेब साइट : www.iricen.gov.in

वर्ष – 19 | अंक – 73 | जनवरी – मार्च 2015

ज्ञान ज्योति से मार्गदर्शन To Beam as a Beacon of Knowledge

इस अंक में

1. संस्थान को GRIHA पुरस्कार
2. विदेशी इंजीनियरों का प्रशिक्षण
3. संस्थान में गणतंत्र दिवस का आयोजन
4. संस्थान में सरस्वती पूजा का आयोजन
5. अचीवर सीरीज
6. बधाई
7. निकट भविष्य में आयोजित विशेष पाठ्यक्रम
8. समेकित पाठ्यक्रम में उत्कृष्ट अधिकारी
9. स्वागत
10. सृजन

1. संस्थान को GRIHA पुरस्कार



दिनांक 13 मार्च, 2015 को नई दिल्ली में 6 ठा वार्षिक GRIHA सम्मेलन का आयोजन हुआ। इस सम्मेलन में इरिसेन के नए प्रशासनिक भवन, ग्रीन बिल्डिंग को सर्वोच्च "5 STAR" GRIHA रेटिंग से पुरस्कृत किया गया। सम्मान एवं प्रमाण–पत्र लेने के लिए श्री विश्वेश चौबे, निदेशक, इरिसेन, श्री. एन. सी. शारदा, संकाय अध्यक्ष एवं श्री सुरेश पाखरे, प्राध्यापक/ रेलपथ - 2 ने इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

इस सम्मान के साथ ही इरिसेन भारत का ऐसा दूसरा भवन है जिसे लीड प्लैटिनम रेटिंग के साथ–साथ GRIHA "5 STAR" रेटिंग भी मिला है। वर्ष 2013 में IGBC द्वारा LEED की उच्चतम ''प्लैटिनम'' रेटिंग से बिल्डिंग को पहले ही पुरस्कृत किया जा चुका है। इरिसेन भारत की उन दो बिल्डिंगों में से एक है जिसे ''LEED'' प्लैटिनम एवं GRIHA "5 STAR" रेटिंग दोनों से सम्मानित किया गया है।





इसे इंडियन बिल्डिंग कॉंग्रेस द्वारा ''2015 के सबसे इनोवेटिव संस्थागत बिल्डिंग'' के लिए ट्रॉफी भी प्रदान की गई है । ग्रीन बिल्डिंग की संकल्पना को साकार करते हुए उर्जा एवं जल बचत के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रदर्शन किया गया है। सोलर सिस्टम द्वारा जहां एक ओर उर्जा का उत्पादन किया जा रहा है वहीं जल को रिसाइकिल द्वारा बागवानी एवं वृक्षों के संपोषण एवं संरक्षण के कार्य में लाया जा रहा है।



इस प्रकार भिन्न–भिन्न उपायों जैसे इन्सुलेशन वाली दीवाल एवं छत, उच्चतर निष्पादन वाले यूआरवी ए/सी का उपयोग, उर्जा संरक्षण में

संरक्षक
विश्वेश चौबे
निदेशक
भा.रे.सि.इं.सं.पुणे

मुख्य संपादक
शरद कुमार अग्रवाल
उप मुख्य राजभाषा अधिकारी
एवं प्राध्यापक, पुल

संपादक
अरुणाभा ठाकुर
वरिष्ठ अनुवादक

सहायक एलईडी एवं ट्युब लाइट्स, ऑक्युपेंसी एवं डे–नाइट सेंसर आदि द्वारा बेंच मार्क से 75% से अधिक उर्जा की बचत की जा रही है। बिल्डिंग के भीतर हवा की गुणवत्ता CO_2 सेंसर से मॉनिटर की जाती है और स्वच्छ हवा बनाए रखने के लिए एयर पंप सिस्टम लगाए गए हैं।



2. विदेशी इंजीनियरों का प्रशिक्षण



संस्थान में दिनांक 16 मार्च, 2015 से 04 अप्रैल, 2015 तक बंगलादेश के इंजीनियरों के लिए ट्रैक एवं ब्रिज मेंटेनेंस के लिए विशेष पाठ्यक्रम का आयोजन किया गया। इस पाठ्यक्रम में बंगलादेश के 15 इंजीनियरों ने हिस्सा लिया ।

3. संस्थान में गणतंत्र दिवस का आयोजन

संस्थान में दिनांक 26 जनवरी, 2015 को गणतंत्र दिवस का आयोजन किया गया। श्री विश्वेश चौबे, निदेशक, इरिसेन ने ग्रीन बिल्डिंग के प्रांगण में ध्वजारोहण किया। राष्ट्रगान के उपरांत निदेशक महोदय ने उपस्थित सदस्यों को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दीं और रेल एवं इरिसेन प्रशिक्षण से संबंधित विषयों पर विस्तार से प्रकाश डाला ।





तदुपरांत खेल प्रतिस्पर्धा का कार्यक्रम रखा गया था । खेलकूद के इस कार्यक्रम में रस्साकसी, म्युजिकल चेयर इत्यादि मनोरंजक प्रतियोगिताएं रखी गई थीं। रस्साकसी प्रतियोगिताओं को दो श्रेणी में बांटा गया था । फैकल्टी बनाम प्रशिक्षु अधिकारी एवं प्रशिक्षु अधिकारी बनाम कर्मचारी। प्रथम वर्ग में प्रशिक्षु अधिकारियों ने विजय पायी तो द्वितीय वर्ग में कर्मचारियों के जोश के आगे प्रशिक्षुओं को अपनी दांव गंवानी पड़ी।



दूसरा खेल म्युजिकल चेयर का था। इसमें भारतीय रेल इंजीनियरी सेवा के परिवीक्षार्थियों ने हिस्सा लिया और कुर्सी पाने की दांवपेंच में लगे इन खिलाड़ियों ने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। इन प्रतियोगिताओं में



निदेशक महोदय, संकाय सदस्यगण, प्रशिक्षु अधिकारीगण, परिवीक्षार्थियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया ।

4. सरस्वती पूजा का आयोजन

वसंत पंचमी के अवसर पर दिनांक 04 फरवरी, 2014 (शनिवार) को संस्थान में मां सरस्वती एवं सत्यनारायण भगवान





की पूजा का आयोजन बड़ी श्रद्धा के साथ किया गया। संस्थान के कर्मचारी श्री हरीश त्रिवेदी ने सपत्नीक पूजा का अनुष्ठान किया ।

वरिष्ठ प्राध्यापक, पुल -2 ने मां सरस्वती के प्रतिमा पर माल्यार्पण तथा दीप प्रज्वलन करते हुए विद्या की देवी की आराधना की। मां सरस्वती की आरती में समस्त अधिकारीगण, कर्मचारीगण एवं परिवारिक सदस्यों ने हिस्सा लिया । विद्या के इस मंदिर में मां सरस्वती की पूजा अर्चना के उपरांत प्रसाद वितरण एवं प्रीतिभोज का कार्यक्रम भी रखा गया था।



5. अचीवर सीरीज



दिनांक 22.01.2015 को ''अचीवर सीरीज'' लेक्चर के लिए सेवानिवृत्त वरिष्ठ भू–वैज्ञानिक एवं प्रोजेक्ट डायरेक्टर (जल संरक्षण), प्रियदर्शिनी सहकारी सूत गिरणी लिमिटेड, शिरपुर, धुळे के श्री एस. बी. खानापुरकर को आमंत्रित किया गया था। उन्होंने "Sustainable Development of Water Resources" विषय पर अपने व्याख्यान दिए। उन्होंने अपने व्याख्यान में जल संचयन एवं उसके संरक्षण के आसान तरीके बताए । भविष्य में जल के अभाव में आनेवाली संकटों से आगाह करते हुए जल की महत्ता पर विशेष ध्यान देने और सभी को जल संरक्षण के संबंध में अपने अपने सहयोग का आह्वान किया। ''जल ही जीवन है'' इस ओर ध्यान खींचने और जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से श्री खनापुरकर जी का व्याख्यान अत्यंत उपयोगी रहा और सभी प्रशिक्षु अधिकारी, संकाय सदस्यों ने इसे ध्यानपूर्वक सुना और प्रेरणा ली।



दिनांक 23 मार्च, 2015 को 'अचीवर सीरीज'' लेक्चर के लिए श्री इंदर घोष, सेवानिवृत महाप्रबंधक/पूर्व तटीय रेल को आमंत्रित किया गया था। व्याख्यान का विषय Disaster Management' था। वर्तमान युग में जहां दिन–प्रतिदिन आपदाओं का सामना किसी न किसी देश या क्षेत्र को करना पड़ रहा है ऐसे में इस विषय पर उनके द्वारा किया गया प्रयास सभी के लिए अवश्य ही लाभकारी रहा। उन्होंने बहुत ही आसान पद्धति से रेलवे में होने वाली आपदा पर किस प्रकार से बिना किसी गड़बड़ी के संकटो से निपटा जाए इसे भलीभांति समझाया। । रेलवे में अपनी सेवा का भरपूर लाभ एवं अनुकरणीय काम को अंजाम देनेवाले ऐसे जुझारू अधिकारियों के अनुभवों से रेल सेवा से तत्काल जुड़े एवं अन्य अधिकारियों को प्रेरणा मिलती है।

6. बधाई



संस्थान के सह प्राध्यापक / स्थापना, श्री नीरज कुमार खरे, दिनांक 20 मार्च, 2015 को कनिष्ठ प्रशासनिक श्रेणी में पदोन्नत हो गए हैं। उन्हें प्राध्यापक / स्थापना के पद पर पदोन्नत किया गया है। उनकी पदोन्नति पर संस्थान उन्हें बधाई और शुभकामनाएं देता है।

7. निकट भविष्य में आयोजित विशेष पाठ्यक्रम

क्र.	पा. सं.	पाठ्यक्रम का शीर्षक	प्रारंभ	समापन
1	15003	भारतीय रेल इंजीनियरिंग सेवा तैनाती परीक्षा	27/04/15	01/05/15
2	15004	भारतीय रेल इंजीनियरिंग सेवा ओरिएन्टेशन	01/06/15	05/06/15
3	15102	समेकित पाठ्यक्रम	20/04/15	09/07/15
4	15203	वरि.व्या वसायिक/पुनश्चर्या पाठ्यक्रम	23/05/15	24/05/15
5	15410	मॉडर्न सर्वेइंग	08/06/15	12/06/15
6	15411	विवाचकों के लिए विवाचन	15/06/15	19/06/15
7	15412	रेलवे फॉर्मेशन एवं जियो टेक्नीक जांच	22/06/15	26/06/15
8	15413	निर्माण संगठन के इंजीनियरों के लिए पाठ्यक्रम	29/06/15	03/07/15
9	15816	भूमि प्रबंधन	27/04/15	30/04/15
10	15817	ठेका प्रबंधन	27/04/15	30/04/15
11	15818	पाइंट एवं क्रॉसिंग	05/05/15	08/05/15
12	15819	मेकेनाइज्डक ट्रैक मेंटेनेंस एवं ट्रैक रिनीवल	05/05/15	15/05/15
13	15820	रेल व्हील इंटरेक्शेन एवं डिरेलमेंट इन्वेस्टिगेशन	11/05/15	22/05/15
14	15821	कर्व पर विशेष पाठ्यक्रम	25/05/15	29/05/15
15	15822	एलडब्युआर	25/05/15	29/05/15
16	15823	यूएसएफडी, वेल्डिंग एवं रेल फ्रैक्चर,	01/06/15	12/06/15
17	15824	ट्रैक प्रबंधन	08/06/15	12/06/15
18	15825	रेल व्हील इंटरेक्शन एवं डिरेलमेंट इन्वेस्टिगेशन	15/06/15	26/06/15
19	15826	मेकेनाइज्डं ट्रैक मेंटेनेंस एवं ट्रैक रिनीवल	15/06/15	26/06/15
20	15827	टीएमएस	29/06/15	03/06/15
21	15828	भूमि प्रबंधन	29/06/15	03/0/15

8. समेकित पाठ्यक्रम में उत्कृष्ट अधिकारी

सत्र सं. 14104 - समेकित पाठ्यक्रम

प्रथम



एल. गोपीचंद्र नायक
सहा. कार्य. इंजी./सेलम/द.रे.

द्वितीय



मनोज कुमार सिंह
कार्यकारी इंजी./हाजीपुर/पूमरे

9. स्वागत



सिविल इंजीनियरिंग में स्नातक की उपाधि प्राप्त, 1986 बैच के समूह 'क' श्रेणी में भारतीय रेल इंजीनियरी सेवा के अधिकारी श्री रमेश कुमार पिंजानी ने 08 जनवरी, 2015 को संस्थान में वरिष्ठ प्राध्यापक/पुल-2 का पदभार संभाल लिया है।

इसके पहले आप प्रतिनियुक्ति पर महाप्रबंधक, राइट्स के पद पर कार्य कर रहे थे। रेलवे में आपने अपनी कैरियर की शुरुआत उत्तर रेलवे के अंबाला मंडल के सरहंद स्टेशन पर सहायक इंजीनियर के रूप में की थी। तत्पश्चात पश्चिम रेलवे में कार्यकारी इंजीनियर, नागौर–सांबरलेक गेज परिवर्तन, मुख्य कारखाना प्रबंधक (इंजीनियरिंग वर्कशाप), साबरमती तथा वरिष्ठ मंडल इंजीनियर (मुख्यालय), वडोदरा, इरिसेन, पुणे में प्राध्यापक/रेलपथ -2 तथा दक्षिण पश्चिम रेल में मुख्य इंजीनियर(सामान्य) के पर पर कार्य किया। तदुपरांत आपने द.प.रेल पर मुख्य इंजीनियर(निर्माण) जैसे महत्वपूर्ण पदों पर भी कार्य किया है। संस्थान आपका हार्दिक स्वागत करता है।



श्री राघवेंद्र प्रताप सिंह सहायक मंडल इंजीनियर ने दिनांक 16 अप्रैल, 2015 को इरिसेन में व्याख्याता/रेलपथ-3 का कार्यभार ग्रहण कर लिया है। इरिसेन में आने से पूर्व आप मध्य रेल, के मुंबई मंडल में सहायक मंडल इंजीनियर के पद पर कार्यरत थे। श्री राघवेंद्र प्रताप सिंह ने रेल सेवा में अपने कैरियर की शुरूआत जून, 2002 से पी डब्ल्यु एस (विशेष कार्य) के रूप में सोलापुर मंडल के दौंड–अहमदनगर खंड पर की। तदुपरांत आपने मध्य रेल पर इंजी. कंट्रोलर (आईसी), सोलापुर, एवं मुख्यालय में विभिन्न पदों पर कार्य किया है। दिसंबर, 2012 से आप राजपत्रित श्रेणी में ओपेन लाइन में स.मं.इंजी./ सीएसएन के पद पर कार्य किया। स.मं.इंजी. ओपन लाइन एवं स.मं.इंजी. मुख्यालय के पद कार्य करते समय आपने मानव रहित रेलवे क्रॉसिंग के लिए रेलवे सेफ्टी डिवाइस एवं रेलवे वर्कसाइट के लिए रेलवे सेफ्टी डिवाइस विकास करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। संस्थान आपका हार्दिक स्वागत करता है।



श्री. मिलिंद जाधव ने दिनांक 16 फरवरी, 2015 को संस्थान में सीनियर इंस्ट्रक्टर/कंप्यूटर -2 का कार्यभार ग्रहण कर लिया है । इरिसेन में आने से पूर्व आप सीनियर सेक्शन इंजीनियर/ टीएमसी/ चर्चगेट के पद पर कार्यरत थे। संस्थान आपका हार्दिक स्वागत करता है ।



श्री. मैथ्यू वर्गिस ने दिनांक 17 मार्च, 2015 को संस्थान में सीनियर इंस्ट्रक्टर/मेकेनिकल -1 का कार्यभार ग्रहण कर लिया है। इरिसेन में आने से पूर्व आप सीनियर सेक्शन इंजीनियर/स.एवं मा.डि./पुणे के पद पर कार्यरत थे । संस्थान आपका हार्दिक स्वागत करता है ।



संजय कुमार सिन्हा ने दिनांक 08 अप्रैल, 2015 को संस्थान में वरिष्ठ तकनीकी सहायक के रूप में पदभार ग्रहण कर लिया है। इसके पूर्व आप लोको पायलट (गुड्स), डोंगरगढ़ के पद पर कार्यरत थे। आप डी.डी.ए (डीज़ल ड्राइवर इंस्ट्रक्टर) डी.डी.टी.सी, मोती बाग दक्षिण पूर्व मध्य रेल, नागपुर के अधीन कार्यरत थे। संस्थान आपका स्वागत करता है।



श्री विजय कुमार शर्मा, सीनियर इंस्ट्रक्टर/ट्रैक-6 ने दिनांक 10 अप्रैल, 2015 को इरिसेन में कार्यभार ग्रहण कर लिया है। इरिसेन में आने से पूर्व आप क्षेत्रीय रेल प्रशिक्षण संस्थान, भुसावल में इंजीनियर प्रशिक्षण/रेलपथ के पद पर कार्यरत थे। आपने कैरियर की शुरूआत दिनांक 19.12.2000 से जूनियर इंजीनियर (रेलपथ) बोदवड भुसावल मंडल, मध्य रेल से की थी। संस्थान आपका हार्दिक स्वागत करता है।

10. सृजन ''चिकित्सक का पहला गुण सेवाभाव''

रसायनाचार्य नागार्जुन को औषधियों के निर्माण के लिए एक सहायक की आवश्यकता थी । अनेक चिकित्सकों की परीक्षा लेने के बाद भी उन्हें एक भी चिकित्सक नहीं मिला जो उनकी रसायनशाला का सारा दायित्व संभाल सके। बहुत से चिकित्सक आकर लौट गये । कुछ दिनों बाद एक ग्रामीण चिकित्सक उनके पास आया। कुछ देर तक आपस में बातें हुई। फिर नागार्जुन ने उस चिकित्सक से कहा ''वत्स ! कई दिनों से मैं एक औषधि बनाने की कोशिश कर रहा हूं, लेकिन उसके लिए मुझे जिस वनौषधि की आवश्यकता है वह यहां से 40-50 मील दूर जंगल में मिलती है। तुम वह वनौषधि लाकर मेरी औषधि तैयार कर दो'' ।

ग्रामीण चिकित्सक उस वनौषधि को लेने के लिए निकल पड़ा। चार–पांच दिन बाद वह वनौषधि लेकर वापस आया तो नागार्जुन ने उससे पूछा वत्स वनौषधि लेकर तो तुम्हें दूसरे दिन ही लौट आना चाहिए था, फिर इतने दिन कहां बेकार कर दिए? तुम भविष्य में भी समय पर काम नहीं कर पाओगे ,इसलिए मैं तुम्हे अपनी रसायनशाला में नहीं रख सकता । ग्रामीण चिकित्सक ने कहा, आचार्य, आपके आदेश पर मैं वनौषधि लेने उस जंगल में पहुंचा तो मैंने वहां एक घायल व्यक्ति को देखा। वह किसी पेड़ से गिरकर बुरी तरह घायल हुआ था। मैनें उस व्यक्ति की वनौषधियों से चिकित्सा की । तीन दिन बाद वह पूरी तरह स्वस्थ हो गया। फिर उसके बाद वनौषधि लेकर वापस आया।

आचार्य नागार्जुन ने उसकी ओर मुस्कुराकर देखा और प्रसन्न स्वर में बोले वत्स मुझे तुम जैसे चिकित्सक की जरूरत थी। मैं तुम्हे नियुक्त करता हूं। चिकित्सक के हृदय में दूसरों के प्रति सेवा का भाव ही उसको वास्तव में कर्तव्यनिष्ठ चिकित्सक बनाता है ।

इति .....

विपरीत परिस्थितियों का रोना अक्सर कमजोर आदमी ही रोते हैं। जिन लोगों में संघर्ष करने का साहस होता है, वे विपरीत से विपरीत परिस्थितियों को अपने पक्ष में मोड़ लेते हैं। – स्वामी विवेकानंद

शरद कुमार अग्रवाल, उप मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्राध्यापक, पुल, भारतीय रेल सिविल इंजीनियरिंग संस्थान, पुणे–1 द्वारा केवल सीमित निशुल्क वितरण हेतु प्रकाशित

Design & Printed By Kalyani Corporation, Pune-30. Tel. 24486080